वंदना

हमे जो भी दिया , दादी मैया ने दिया
हमेशा आपके हाथौ मे, सर झुका के लिया,
मेरी ये जिन्दगी, मेरी मात की अमानत है,
बदल जो जाऊ हे दादी, तो मुझ पे लानत हॅ,
जहाँ मे दादी तुम्हारा, कोई जवाब नही,
दयालु ऐसी दया का, कोई हिसाब नही,
दयालु मात ने बिन बोले, हमारा काम किया
निभाया अब तक, आगे भी तुम निभा देना,
तेरी तोहीन है, किसी और से भिक्षा लेना,
हमैशा द्वार से 'बनवारी', झोली भर कर गया

वंदना

मेहन्दी सुरंगी राचणी जी,
थारा हाथा में राणी सती माँ
मै वारी जावां दादी जी...
चाँदी की चौकी पर माँ, बैठी बैठी मुस्काये।
रुप सलोनी लागे हे, भक्त को हिवडो हरषाये ।
सोते री बिन्दिया साजी जी, थारे माथे पर राणि सती माँ ।
मै वारी जावां दादी जी...
रौली मौली गजरा सूँ , माँ ने खुब सजाई है,
सज्यो बोरले माथे पर, चुणडी लाल उडाई हे ,
छम-छम पायलिया बाजि जी, थारे पेरा मे राणी सती माँ ।।
मै वारी जावां दादी जी...
दादी के मुख मडंल पर तेज सवायो चमको हे ।
मूँगा की शोभा भारी, हीरा टम-टम टमके हे ।
मंगल शहणाई बाजी जी, थारे स्वागत मे राणी सती माँ ।
मै वारी जावां दादी जी...